नाकोड़ा के भैरव नाथ रहते भक्तो के साथ लिरिक्स

नाकोड़ा के भैरव नाथ,
रहते भक्तो के साथ,
जिसने प्रेम से,
लिया भैरव नाम रे,
उसके बन जाये,
हर काम रे,
नाकोडा के भैरव नाथ।bd।

तर्ज – मेरे मन में पारस नाथ।

सेवक पार्श्व प्रभु के प्यारे,
जैसे चाँद के संग में तारे,
रहते प्रभु की,
सेवा में आठो याम रे,
जिनका मेवा नगर,
में धाम रे,
नाकोडा के भैरव नाथ।bd।

जिनके मुख पे बरसे नूर,
बाबा कलयुग में मशहूर,
जिसने जीवन किया,
इनके नाम रे,
उसके बन जाये,
हर काम रे,
नाकोडा के भैरव नाथ।bd।

संघवी धेवर चंद बलिहारी,
आये भैरव शरण तुम्हारी,
पुत्र रंजीत,
भैरव तेरा दास रे,
देवेश 'दिलबर' के बनाये,
हर काम रे,
उसके बन जाये,
हर काम रे,
नाकोडा के भैरव नाथ।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नाकोड़ा के भैरव नाथ,
रहते भक्तो के साथ,
जिसने प्रेम से,
लिया भैरव नाम रे,
उसके बन जाये,
हर काम रे,
नाकोडा के भैरव नाथ।bd।

प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
नागदा जक्शन 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com